प्रतिष्ठाकल्प अञ्जनशलाकाविधि (फोल्डर नं. ००१६००)

मुख्य टाइटल
आशीर्वचन
अंतरोद्गार
प्रकाशकीय
आवकार
अंतरनी वात
प्रस्तुत प्रत अंगे कंईक
अनुक्रमणिका
प्रतिष्ठाविधिपद्यानुवाद----------१
प्रथमदिनविधि
जळयात्रा विधि ----------६
कुंभस्थापनविधि---------- १५
दीपकस्थापनविधि---------- १६
जवारारोपणविधि ---------- १७
द्वितीयदिनविधि
नंद्यावर्तनुं आलेखन---------- १९
नंदद्यावर्तपूजनविधि---------- २४
अष्टस्तुतिविधि ---------- २८
तृतीयदिनविधि
क्षेत्रपालपूजन---------- ३०
दिक्पाल आह्वान, बलिबाकुळा---------- ३१
प्रत्येकनुं आह्वान---------- ३१-३८
प्रत्येकनुं पूजन ---------- ३१-३८
प्रत्येकनो माळा---------- ३१-३८
नैवेद्य---------- ३८
सफेद धजा चडाववी ---------- ३९
भैरव पूजन ---------- ३९
सोळविद्यादेवी आह्वान---------- ३९
सोळविद्यादेवी पूजन---------- ४०
ग्रह आह्वान-बलिबाकुळा---------- ४०
प्रत्येकग्रहनुं आह्वान ---------- ४१-४७
प्रत्येकग्रहनुं पूजन---------- ४१-४७
प्रत्येकनी माळा---------- ४१-४७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

ग्रहशांतिस्तोत्र---- ४७
नैवेद्य---- ४९
अष्टमंगलकुसुमांजलि ---- ५०
प्रत्येकनुं पूजन ---- ५०-५२
नैवेद्य---- ५२
अष्टमंगल स्थापनामंत्र---- ५२
शांतिजिनकलश---- ५२
चतुर्थदिनविधि-सिद्धचक्रपूजनविधि---- ५३
क्षेत्रपालादिकपूजन ---- ५३
शासनदेवीपूजन ---- ५३
इन्द्रपूजा---- ५३
भुतबलिमंत्र---- ५४
बलि-बाकुळाप्रदान ---- ५४
अंगन्यास ---- ५४
करन्यास ---- ५५
नवेपदोने कुसुमांजलि ---- ५६-६२
नवेपदोनुं पूजन---- ५६-६२
नवेपदोनी माळा ---- ५६-६२
नवेपदनी स्तुति तथा पूजन---- ६२
देववंदन ---- ६३
शांतिजिनकलश---- ६३
पंचमदिनविधि-वीशस्थानकपूजनविधि---- ६४
क्षेत्रपालादिक पूजन---- ६४
शांतिघोषणा---- ६४
मंगलपाठ---- ६५
वीशेपदोना पूजन ---- ६६
देववंदन ---- ६६
आदिजिनकलश---- ६६
षष्ठादिनविधि-च्यवनकल्याणकविधि ---- ६८
क्षेत्रपालादिकपूजन ---- ६८
इन्द्राभूषणमंत्रण ---- ६८
इन्द्रस्थापना ---- ७०
इन्द्राणीस्थापना---- ७०
माता-पितानी स्थापना ---- ७०
वेदिका उपरस्सवस्तिक ---- ७१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अंगन्यास ---------- ७१
करन्यास ---------- ७१
गुरुपूजन ---------- ७२
धर्माचार्यपूजन ---------- ७२
सिंहसनादिकपूजन ---------- ७३
बिंबोपरि वासक्षेप ---------- ७३
वासक्षेपयुतदूधथी सर्वांगविलेपन ---------- ७३
सदुग्ध कलशस्थापन ---------- ७३
कलशमां बिंबस्थापन ---------- ७३
बिंब उपर वासक्षेप ---------- ७४
मातृकान्यास ---------- ७४
बिंब उपर वासक्षेप ---------- ७६
कर्मोपदेश मंत्र ---------- ७७
वासक्षेप ---------- ७८
आशीर्वचन ---------- ७८
चौद सवप्नदर्शन ---------- ७८
देववंदन ---------- ७८
पार्श्वजिनकलश ---------- ७८
सप्तमदिनविधि-जन्मकल्याणकविधि ---------- ७९
आत्मरक्षा ---------- ७९
शुचिकरण ---------- ७९
सकलीकरण ---------- ७९
बलिबाकुळा ---------- ८०
बिंबोपरि कुसुमांजलि ---------- ८०
विघ्नोत्रासन ---------- ८०
जलाच्छोटन ---------- ८०
कवचकरण ---------- ८०
दिग्बंधन ---------- ८०
सप्तध्यानवृष्टि ---------- ८१
अंबिकानी पूजा ---------- ८१
जिनजन्मविधान ---------- ८१
दिक्कुमारिकामहोत्सव ---------- ८२
केलीधररचना ---------- ८५
रक्षापोटलीबंदन ---------- ८५
अरीठानीमालास्थापन ---------- ८६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

जवनीमालास्थापन ---------- ८६
जलदर्शन ---------- ८६
ईन्द्राणी महोत्सव ---------- ८६
प्रभुजीने तिलक ---------- ८६
शक्र सिंहासन कंपन ---------- ८७
सुघोषा घंट वादन ---------- ८७
मेरु पर्वत उपर गमन ---------- ८७
मेरु पर्वत उपर २५० अभइषेक ---------- ९०
सौधर्मेन्द्रनो अभिषेक ---------- ९१
अष्ट प्रकारी पूजा ---------- ९१
अष्टमंगल आलेखन ---------- ९१
अष्ट स्तुति देववंदन ---------- ९२
माता पासे जिनबिंबस्थापन तथा ३२ क्रोड सुवर्ण वृष्टि ---------- ९२
अष्टमदिनविधि
प्रियवंदा-पुत्रजन्मवधामणा ---------- ९३
अढार अभिषेक ---------- ९४
हिरण्योदकस्नात्र ---------- ९४
पंचरत्नचूर्णस्नात्र ---------- ९४
कषायचूर्णस्नात्र ---------- ९५
मंगलमृत्तिकास्नात्र ---------- ९६
सदौषधिस्नात्र ---------- ९७
प्रथमाष्टकवर्गस्नात्र ---------- ९७
द्वितीयाष्टकवर्गस्नात्र ---------- ९८
सर्वौषधिस्नात्र ---------- ९९
जिनाह्वानविधि ---------- १००
पंचामृतस्नात्र ---------- १००
सुगंधौषधिस्नात्र ---------- १०१
पुष्पस्नात्र ---------- १०१
गंधस्नात्र ---------- १०२
वासस्नात्र ---------- १०३
चंदनदुग्धस्नात्र ---------- १०४
केशर-साकरस्नात्र ---------- १०५
चंद्र-सूर्यदर्शन ---------- १०५
तीर्थोदकस्नात्र ---------- १०६
कपूरस्नात्र ---------- १०७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

केशर-चंदन-पुष्पस्नात्र ----------१०७
कुसुमांजलि----------१०८
अष्टस्तुतिदेववंदन ----------१०८
नामस्थापनविधि----------११२
पत्रदान, केशनना छांटणा----------११२
वस्त्राभरणपहेरावववा----------११२
नैवेद्यपूजन----------११३
बलेबाकुळा----------११३
नवमदिनविधि-लेखशालाकरणविधि ----------११४
गोळ-धाणा लेखिनीमषीभाजन प्रदान ----------११४
विवाहमहोत्सवविधि ----------११४
साहीप्रदान ----------११४
फूल-धूप-वास मूकवा ----------११४
मुद्रात्रयदर्शन ----------११४
अधिवासनामंत्र ----------११४
मींढळबांधवा----------११५
पंचांगस्पर्शविधि----------११५
जिनाह्वानविधि ----------११५
आसनमुद्रा----------११६
वास-कपूरादिथी पूजन (वासक्षेप) ----------११६
चंदनादिथी पूजन ----------११६
दर्शवाळा वस्त्र ढांकवा----------११६
नव श्रीफळ मूकवा----------११६
विविध फळादि मूकवा ----------११६
फूलेकुं चढाववुं ----------११६
पोंखणा करवा----------११६
आरती-मंगलदीवो ----------११६
प्रियंगु-कपूर-बरास अने गोरोचनथी बिंबोना हाथ उपर विलेपन ----------११६
नवमहोने बलि-बाट----------११६
खीरादिनो थाळ मूकवो चोरी बांधवी----------११६
मंडपमां प्रभुजीने स्थापवा----------११६
सुवर्णकळश मूकवो ----------११६
घी-गोळ सहित चार मंगळ-दीवा स्थापवा----------११६
बाट आदिनो थाळ मूकवो----------११६
धान्य-जल मूकवा ----------११६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

चार नाना घडा मूकवा ---११६
सुंवालीनां कांकणा करवा---११६
घडा उपर जवाराना शरावला मूकवा ---११६
घडाने ग्रीवासूत्र बांधवुं---११६
चैत्यवंदन-शक्रस्तव ---११७
चंदन-वासादिसहित ---११७
कुसुंबीवस्त्र मुख उपर ढांकवुं सूरिमंत्रसहितवासक्षेप ---११७
वन्न दूर करवुं---११७
सोपारी आदि हाथमां मूकवा---११७
वाजिंत्र-धवलमंगल---११७
षोडशांश होम करवो---११७
टीको कराववो---११७
वस्त्राभूषण पहेरावावा---११७
पांच जातना २५ लाडवा मूकवा ---११७
मेवो मूकवो ---११७
राज्याभिषेकविधि---११८
राज्यतिलकविधि---११८
नवलोकांतिदेवोनी विनंती ---११८
दीक्षाकल्याणकविधि---११८
कुलमहत्तराहितोपदेश---११९
दीक्षास्नान---११९
सर्वालंकारमोचन ---११९
पंचमुष्टिलोच---११९
सर्वविरतिस्वीकार ---११९
देवदूष्यवस्त्रनुं स्थापन ---११९
अष्टस्तुति-देववंदन ---१२०
जिनस्वागत धारणा ---१२२
दशमदिनविधि-अधिवासनाविधि---१२३
दिक्पालपूजन ---१२३
ग्रहपूजन---१२४
शांतिबलिमन्त्र ---१२४
बलि-बाकुळप्रक्षेप---१२५
देववंदन ---१२६
कुसुंबी वस्त्र ढांकवुं---१३०
वज्रपंजर---१३०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

आत्मरक्षा ----------१३०
शुचिकरण ----------१३१
सकलीकरण ----------१३१
मुद्रासहित अधिवासना ----------१३१
मंत्रोच्चार सूरिमंत्रसहितवासक्षेप ----------१३१
धूप ----------१३१
कुसुंबीवस्त्रापनयन ----------१३१
अक्षरन्यास ----------१३२
घीनुं पात्र मूकवुं ----------१३२
परमेष्ठिमुद्राथी जिनाह्वान ----------१३२
अधिष्ठायक देव-देवी आह्वान ----------१३२
अधिष्ठायक देव-देवी स्थापन ----------१३३
अधिष्ठायक देव-देवी सन्निहितकरण ----------१३३
देववंदन ----------१३३
क्षमापना ----------१३३
अंजनविधि ----------१३४
सुखडादि मूकवा ----------१३४
बिंबनुं स्थिरीकरण ----------१३४
अंजननी शलाका मन्त्रवानो मन्त्र ----------१३४
अंजन मन्त्रवानो मन्त्र ----------१३४
अंजनकरण ----------१३४
आरीसो बतावो ----------१३५
सूरिमंत्रसहित वासक्षेप ----------१३५
जमणा काने मंत्र न्यास ----------१३६
जमणा काने सुखडादि लगाडवुं ----------१३६
चक्रमुद्राथी सर्वांगस्पर्श ----------१३६
दहीनुं पात्र बतावुं ----------१३६
धूप करवो ----------१३६
पांच मुद्रा बतावी ----------१३६
मंत्रन्यास ----------१३६
वासधूप ----------१३६
केवलज्ञानकल्यामकमहोत्सवविधि
पद्ममुद्राथी समवसरणमां स्थापन ----------१३७
वासक्षेप ----------१३७
३६० करियाणानो पडो मूकवो ----------१३७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

पोखणा करवा----------१३७
फूलवासनी वृष्टि----------१३७
धूपोत्क्षेप----------१३७
देववंदन----------१३७
निर्वाणकल्यामकविधि----------१३८
स्नपन----------१३९
नव अंगे पूजन----------१३९
१०८ अभिषेक----------१३९
भूतबलिमंत्र----------१३९
बलिप्रक्षेप----------१४१
फूलसहितबलिप्रक्षेप----------१४१
बिंबोपरि कुसुमांजलि----------१४१
जूनी पूजा दूर करवी----------१४१
नवी पूजा करवी----------१४१
नैवेद्य मूकवा----------१४१
उतारण पूर्वक कपूर-घी----------१४१
देववंदन----------१४१
अखंड चोखा मंगलपाठ साथे उछाळवा----------१४३
धर्मदेशना----------१४४
तंबोलदान----------१४५
फलढौकन----------१४५
चैत्यवंदन----------१४५
मीठो लाडवो मूकवो----------१४६
१० प्रकारना नैवेद्यमूकवा----------१४६
नंद्यावर्तविसर्जन----------१४६
प्रतिष्ठादेवनुं विसर्जन----------१४६
सर्वदेवताओनुं विसर्जन----------१४६
शांतिधारा----------१४६
कंकणमोचन----------१४६
बिंबप्रतिष्ठाविधि----------१४७
सकलीकरणादिविधि----------१४९
संक्षिप्तप्रतिष्ठाविधि----------१५०
जिनबिंबपरिकरप्रतिष्ठा----------१६१
कलशारोपणविधि----------१६३
ध्वजारोपणविदि----------१६५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

ध्वजादंड-शिखर-ध्वजामंत्र----------१६६
ध्वजा तथा दंडनुं माप----------१६७
चोत्रीसो यंत्र----------१६८
अष्टमंगलना श्लोको----------१६९
परिशिष्ट-१
परिशिष्ट १-अ – माणेकस्थंभारोपण विधि----------१७१
परिशिष्ट १-आ – तोरण बांधता बोलवानो मंत्र---------- १७२
परिशिष्ट १-इ – लघुनन्द्यावर्तपूजनविधि (दस वलयोवाळी)----------१७२
नन्द्यावर्त-वलयोनी स्थापना----------१७३
नन्द्यावर्तन पूजनविधि ----------१८१
परिशिष्ट १-ई – सोळविद्यादेवीपूजनश्लोक----------१८१
परिशिष्ट १-उ – ज्ञानदर्शन चारित्रतप----------१८६
पदपूजन श्लोक----------१८६
परिशिष्ट १-ऊ – वीशस्थानकपदपूजन श्लोक----------१८७
परिशिष्ट १-ऋ – यज्ञोपवीतादि धारण करवाना मंत्रो----------१९३
परिशिष्ट १-ॠ – मात-पितानी स्थापनानी विशिष्ट विधि----------१९४
परिशिष्ट १-ऌ – च्यवनकल्यामकचैत्यवंदन तथा स्तवन ----------१९५
परिशिष्ट १-ॡ – बृहत्स्नात्रविधि----------१९६
परिशिष्ट १-ए – जिनजन्माभिषेक्तवन----------२०५
परिशिष्ट १-ऐ – जिनाह्वानबृहद्विधि----------२०६
परिशिष्ट १-ओ – चंद्र-सूर्यदर्शनमंत्र----------२०७
परिशिष्ट १-औ – पंचामृत अभिषेक----------२०८
परिशिष्ट १-अं – नामस्थापनविधि----------२१०
परिशिष्ट १-अः – लोकांतिकदेवोनी विनंती----------२११
परिशिष्ट १-क – कुलमहत्तराहितोपदेश ----------२१२
परिशिष्ट १-ख – अलंकारावतारणश्लोक----------२१२
परिशिष्ट १-ग – सर्वविरतिसूत्र ----------२१३
परिशिष्ट १-घ – दीक्षाकल्यामकचैत्यवंदन ----------२१४
परिशिष्ट-२
परिशिष्ट २-अ – दिक्पालरचना----------२१५
परिशिष्ट २-ब – ग्रहरचना----------२१५
परिशिष्ट २-क – अष्टमंगलरचना----------२१५
परिशिष्ट २-ड – दिक्पाल उपकरणादि----------२१६
परिशिष्ट २-इ – महोना आकार-उपकरण ----------२१७
परिशिष्ट-३ - मंडप-वेदिकानुं माप----------२१८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

परिशिष्ट-४ – मुद्रा ----------२२०
परिशिष्ट-५ – जलयात्रा उपकरण ----------२२८
परिशिष्ट-६ – अंजनशलाका-प्रतिष्ठा उपकरण ----------२२९
परिशिष्ट-७ – अढार अभिषेकविशेषऔषधि----------२३७
परिशिष्ट-८ – ३६० करियाणानी यादी----------२३८
परिशिष्ट-९ – प्रतिष्ठाकल्पस्तवन----------२४५
जिन माता-पिता नामादि कोष्टक ----------२८३
शुद्धिपत्रक ----------२८७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org